

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ  
федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования  
«Иркутский национальный исследовательский технический университет»

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата  
(адаптированная программа)

07.03.04 Градостроительство

Профиль: Градостроительное проектирование  
Кафедра: Архитектуры и градостроительства  
Институт: Архитектуры, строительства и дизайна

|                                                             |
|-------------------------------------------------------------|
| Квалификация: бакалавр                                      |
| Форма обучения: Очная                                       |
| Срок получения образования: 5л                              |
| Типы задач профессиональной деятельности                    |
| проектно-технологический (градостроительное проектирование) |
| аналитический (предпроектный анализ)                        |

Год начала подготовки (по учебному плану) 2025

СОГЛАСОВАНО

Проректор по учебной работе \_\_\_\_\_ / В.В. Смирнов/  
Директор института \_\_\_\_\_ / В.В. Пешков/  
Зав. кафедрой \_\_\_\_\_ / Е.В. Пуляевская/  
Руководитель ООП \_\_\_\_\_ / Д.В. Бобрышев/



УТВЕРЖДАЮ

*[Signature]*

М.В. Корняков

04 2025 г.

|  |  | Формы пром. атт. |  |  |  |  | з.е. | Итого академ. часов |  |  |  |  | Курс 1 |  |  |  |  | Курс 2 |  |  |  |  | Курс 3 |  |  |  |  | Курс 4 |  |  |  |  | Курс 5 |  |  |  |  | Курс 6 |  |  |  |  | Курс 7 |  |  |  |  | Курс 8 |  |  |  |  | Курс 9 |  |  |  |  | Курс 10 |  |  |  |  | Курс 11 |  |  |  |  | Курс 12 |  |  |  |  | Курс 13 |  |  |  |  | Курс 14 |  |  |  |  | Курс 15 |  |  |  |  | Курс 16 |  |  |  |  | Курс 17 |  |  |  |  | Курс 18 |  |  |  |  | Курс 19 |  |  |  |  | Курс 20 |  |  |  |  | Курс 21 |  |  |  |  | Курс 22 |  |  |  |  | Курс 23 |  |  |  |  | Курс 24 |  |  |  |  | Курс 25 |  |  |  |  | Курс 26 |  |  |  |  | Курс 27 |  |  |  |  | Курс 28 |  |  |  |  | Курс 29 |  |  |  |  | Курс 30 |  |  |  |  | Курс 31 |  |  |  |  | Курс 32 |  |  |  |  | Курс 33 |  |  |  |  | Курс 34 |  |  |  |  | Курс 35 |  |  |  |  | Курс 36 |  |  |  |  | Курс 37 |  |  |  |  | Курс 38 |  |  |  |  | Курс 39 |  |  |  |  | Курс 40 |  |  |  |  | Курс 41 |  |  |  |  | Курс 42 |  |  |  |  | Курс 43 |  |  |  |  | Курс 44 |  |  |  |  | Курс 45 |  |  |  |  | Курс 46 |  |  |  |  | Курс 47 |  |  |  |  | Курс 48 |  |  |  |  | Курс 49 |  |  |  |  | Курс 50 |  |  |  |  | Курс 51 |  |  |  |  | Курс 52 |  |  |  |  | Курс 53 |  |  |  |  | Курс 54 |  |  |  |  | Курс 55 |  |  |  |  | Курс 56 |  |  |  |  | Курс 57 |  |  |  |  | Курс 58 |  |  |  |  | Курс 59 |  |  |  |  | Курс 60 |  |  |  |  | Курс 61 |  |  |  |  | Курс 62 |  |  |  |  | Курс 63 |  |  |  |  | Курс 64 |  |  |  |  | Курс 65 |  |  |  |  | Курс 66 |  |  |  |  | Курс 67 |  |  |  |  | Курс 68 |  |  |  |  | Курс 69 |  |  |  |  | Курс 70 |  |  |  |  | Курс 71 |  |  |  |  | Курс 72 |  |  |  |  | Курс 73 |  |  |  |  | Курс 74 |  |  |  |  | Курс 75 |  |  |  |  | Курс 76 |  |  |  |  | Курс 77 |  |  |  |  | Курс 78 |  |  |  |  | Курс 79 |  |  |  |  | Курс 80 |  |  |  |  | Курс 81 |  |  |  |  | Курс 82 |  |  |  |  | Курс 83 |  |  |  |  | Курс 84 |  |  |  |  | Курс 85 |  |  |  |  | Курс 86 |  |  |  |  | Курс 87 |  |  |  |  | Курс 88 |  |  |  |  | Курс 89 |  |  |  |  | Курс 90 |  |  |  |  | Курс 91 |  |  |  |  | Курс 92 |  |  |  |  | Курс 93 |  |  |  |  | Курс 94 |  |  |  |  | Курс 95 |  |  |  |  | Курс 96 |  |  |  |  | Курс 97 |  |  |  |  | Курс 98 |  |  |  |  | Курс 99 |  |  |  |  | Курс 100 |  |  |  |  | Курс 101 |  |  |  |  | Курс 102 |  |  |  |  | Курс 103 |  |  |  |  | Курс 104 |  |  |  |  | Курс 105 |  |  |  |  | Курс 106 |  |  |  |  | Курс 107 |  |  |  |  | Курс 108 |  |  |  |  | Курс 109 |  |  |  |  | Курс 110 |  |  |  |  | Курс 111 |  |  |  |  | Курс 112 |  |  |  |  | Курс 113 |  |  |  |  | Курс 114 |  |  |  |  | Курс 115 |  |  |  |  | Курс 116 |  |  |  |  | Курс 117 |  |  |  |  | Курс 118 |  |  |  |  | Курс 119 |  |  |  |  | Курс 120 |  |  |  |  | Курс 121 |  |  |  |  | Курс 122 |  |  |  |  | Курс 123 |  |  |  |  | Курс 124 |  |  |  |  | Курс 125 |  |  |  |  | Курс 126 |  |  |  |  | Курс 127 |  |  |  |  | Курс 128 |  |  |  |  | Курс 129 |  |  |  |  | Курс 130 |  |  |  |  | Курс 131 |  |  |  |  | Курс 132 |  |  |  |  | Курс 133 |  |  |  |  | Курс 134 |  |  |  |  | Курс 135 |  |  |  |  | Курс 136 |  |  |  |  | Курс 137 |  |  |  |  | Курс 138 |  |  |  |  | Курс 139 |  |  |  |  | Курс 140 |  |  |  |  | Курс 141 |  |  |  |  | Курс 142 |  |  |  |  | Курс 143 |  |  |  |  | Курс 144 |  |  |  |  | Курс 145 |  |  |  |  | Курс 146 |  |  |  |  | Курс 147 |  |  |  |  | Курс 148 |  |  |  |  | Курс 149 |  |  |  |  | Курс 150 |  |  |  |  | Курс 151 |  |  |  |  | Курс 152 |  |  |  |  | Курс 153 |  |  |  |  | Курс 154 |  |  |  |  | Курс 155 |  |  |  |  | Курс 156 |  |  |  |  | Курс 157 |  |  |  |  | Курс 158 |  |  |  |  | Курс 159 |  |  |  |  | Курс 160 |  |  |  |  | Курс 161 |  |  |  |  | Курс 162 |  |  |  |  | Курс 163 |  |  |  |  | Курс 164 |  |  |  |  | Курс 165 |  |  |  |  | Курс 166 |  |  |  |  | Курс 167 |  |  |  |  | Курс 168 |  |  |  |  | Курс 169 |  |  |  |  | Курс 170 |  |  |  |  | Курс 171 |  |  |  |  | Курс 172 |  |  |  |  | Курс 173 |  |  |  |  | Курс 174 |  |  |  |  | Курс 175 |  |  |  |  | Курс 176 |  |  |  |  | Курс 177 |  |  |  |  | Курс 178 |  |  |  |  | Курс 179 |  |  |  |  | Курс 180 |  |  |  |  | Курс 181 |  |  |  |  | Курс 182 |  |  |  |  | Курс 183 |  |  |  |  | Курс 184 |  |  |  |  | Курс 185 |  |  |  |  | Курс 186 |  |  |  |  | Курс 187 |  |  |  |  | Курс 188 |  |  |  |  | Курс 189 |  |  |  |  | Курс 190 |  |  |  |  | Курс 191 |  |  |  |  | Курс 192 |  |  |  |  | Курс 193 |  |  |  |  | Курс 194 |  |  |  |  | Курс 195 |  |  |  |  | Курс 196 |  |  |  |  | Курс 197 |  |  |  |  | Курс 198 |  |  |  |  | Курс 199 |  |  |  |  | Курс 200 |  |  |  |  | Курс 201 |  |  |  |  | Курс 202 |  |  |  |  | Курс 203 |  |  |  |  | Курс 204 |  |  |  |  | Курс 205 |  |  |  |  | Курс 206 |  |  |  |  | Курс 207 |  |  |  |  | Курс 208 |  |  |  |  | Курс 209 |  |  |  |  | Курс 210 |  |  |  |  | Курс 211 |  |  |  |  | Курс 212 |  |  |  |  | Курс 213 |  |  |  |  | Курс 214 |  |  |  |  | Курс 215 |  |  |  |  | Курс 216 |  |  |  |  | Курс 217 |  |  |  |  | Курс 218 |  |  |  |  | Курс 219 |  |  |  |  | Курс 220 |  |  |  |  | Курс 221 |  |  |  |  | Курс 222 |  |  |  |  | Курс 223 |  |  |  |  | Курс 224 |  |  |  |  | Курс 225 |  |  |  |  | Курс 226 |  |  |  |  | Курс 227 |  |  |  |  | Курс 228 |  |  |  |  | Курс 229 |  |  |  |  | Курс 230 |  |  |  |  | Курс 231 |  |  |  |  | Курс 232 |  |  |  |  | Курс 233 |  |  |  |  | Курс 234 |  |  |  |  | Курс 235 |  |  |  |  | Курс 236 |  |  |  |  | Курс 237 |  |  |  |  | Курс 238 |  |  |  |  | Курс 239 |  |  |  |  | Курс 240 |  |  |  |  | Курс 241 |  |  |  |  | Курс 242 |  |  |  |  | Курс 243 |  |  |  |  | Курс 244 |  |  |  |  | Курс 245 |  |  |  |  | Курс 246 |  |  |  |  | Курс 247 |  |  |  |  | Курс 248 |  |  |  |  | Курс 249 |  |  |  |  | Курс 250 |  |  |  |  | Курс 251 |  |  |  |  | Курс 252 |  |  |  |  | Курс 253 |  |  |  |  | Курс 254 |  |  |  |  | Курс 255 |  |  |  |  | Курс 256 |  |  |  |  | Курс 257 |  |  |  |  | Курс 258 |  |  |  |  | Курс 259 |  |  |  |  | Курс 260 |  |  |  |  | Курс 261 |  |  |  |  | Курс 262 |  |  |  |  | Курс 263 |  |  |  |  | Курс 264 |  |  |  |  | Курс 265 |  |  |  |  | Курс 266 |  |  |  |  | Курс 267 |  |  |  |  | Курс 268 |  |  |  |  | Курс 269 |  |  |  |  | Курс 270 |  |  |  |  | Курс 271 |  |  |  |  | Курс 272 |  |  |  |  | Курс 273 |  |  |  |  | Курс 274 |  |  |  |  | Курс 275 |  |  |  |  | Курс 276 |  |  |  |  | Курс 277 |  |  |  |  | Курс 278 |  |  |  |  | Курс 279 |  |  |  |  | Курс 280 |  |  |  |  | Курс 281 |  |  |  |  | Курс 282 |  |  |  |  | Курс 283 |  |  |  |  | Курс 284 |  |  |  |  | Курс 285 |  |  |  |  | Курс 286 |  |  |  |  | Курс 287 |  |  |  |  | Курс 288 |  |  |  |  | Курс 289 |  |  |  |  | Курс 290 |  |  |  |  | Курс 291 |  |  |  |  | Курс 292 |  |  |  |  | Курс 293 |  |  |  |  | Курс 294 |  |  |  |  | Курс 295 |  |  |  |  | Курс 296 |  |  |  |  | Курс 297 |  |  |  |  |
|--|--|------------------|--|--|--|--|------|---------------------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|
|--|--|------------------|--|--|--|--|------|---------------------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|

ЭИОС – контактная работа в форме работы в электронной информационно-образовательной среде

7.03.04 Градостроительное проектирование (Адаптированная программа) (ГРб-25), год начала подготовки 2025

[illegible]

ЭИОС – контактная работа в форме работы в электронной информационно-образовательной среде